an>

Title: Need for a comprehensive horticulture mission to cater to the Himalayan and the North-Eastern States.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): माननीय अध्यक्ष जी, आपने शून्य काल में मुझे हिमालयी राज्यों की समस्या विशेषकर उत्तराखंड राज्य की बागवानी, उद्यानिकी समस्याओं पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूं। हिमालय क्षेत्र दुर्लभ जड़ी-बूटियों, बेमौसमी सब्जी तथा प्राकृतिक फलों के उत्पादन का एक ऐसा केन्द्र है, जो सारी दुनिया के लिए बहुत दुर्लभ है। यह क्षेत्र पूरे देश और दुनिया के स्वास्थ्य को सुरक्षित रख सकता है और मानव को मानवता की दिशा में आगे बढ़ा सकता है। लेकिन नीतियों और संसाधनों के अभाव में इस क्षेत्र की बहुमूल्य निधि का ठीक से उपयोग नहीं हो पा रहा है। इसके कारण जहां यह क्षेत्र पिछड़ रहा है, वहीं तेजी से यहां से पलायन भी एक बड़ी समस्या बन गया है, जो देश के लिए संकट बनता जा रहा है। इस कारण भारत की जनता को संजीवनी बूटियों के रस से उत्पादित सब्जियों को खाने का मौका नहीं मिल रहा है, वहीं इसके अभाव में तमाम प्रकार की बीमारियां भी उत्पन्न हो रही हैं।

इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि नीतियों के समाधान के लिए हिमालयी वानिकी, उद्यानिकी मिशन का गठन किया जाए, ताकि इस क्षेत्र में संजीवनी बूटियों और संजीवनी सब्जियों का उत्पादन हो सके और रासायनिक खादों से उत्पादित सब्जियों के सेवन से जो बीमारियां पैदा होती हैं, जिनके कारण आज आम आदमी खोखला हो गया है। आज 15 वर्ष का बच्चा भी मधुमेह की बीमारी से ग्रस्त है तो 25 वर्ष का नौजवान भी हृदय रोग से ग्रसित है। मैं कहना चाहता हूं कि पुष्पों की खेती हो, जो छः-छः महीने तक तोड़ने के बाद भी जिंदा रहते हैं और जिनकी सुगंध बहुत सारी बीमारियों को दूर कर सकती है, ऐसी बेमौसमी सब्जियों का उत्पादन हो, जिनमें तमाम तरह के विटामिन्स होते हैं और जो वहां की जड़ी-बूटियों के रस से उत्पादित हैं, ऐसी जड़ी-बूटियों का उत्पादन किया जाए, जो वहां के पर्यावरण को ठीक करेगा तथा जल, जंगल, जमीन और जन को सुरक्षित रखेगा। सब्जी पट्टी एंव फल पट्टियों के निर्माण के साथ-साथ यहां भंडारण की नितांत आवश्यकता है। उत्पादन और वितरण की प्रभावी व्यवस्था हो। अगर यहां की जवानी और पानी का बेहतर समन्वय हो सकेगा तो यह पूरा क्षेत्र देश की प्रगति में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

माननीय अध्यक्ष : जीरो ऑवर में इतना लम्बा भाषण नहीं देते।

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक : इसलिए वानिका और उद्यानिकी मिशन जरूर गठित किया जाए, यही मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं।